

DPN 5311

Title: हरिसिद्धि त्रिदेवीया परिपाटी
HARI SIDDHI TRIDEVIYA PARIPATI

Run. No. 6002

Cat. No.

Micro. No.

Subject Ritual विधि

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 9 x 20

Folios 27
5 pages are blank
Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor Ian Alsop

Date: NS / SS / VS / KS 934, 875

Laksmi narayan (scribe of उमासूत्र)

Ruler / place

→ name of king Girvanayudha

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus.:

Vikram also mentioned in
a stray note.

Material: palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water / Edge

Beginning, colophon, post-colophon:

A) Beg. शुभ ॥ श्री ३ हरसिद्धि त्रिदेवी परिपाटी ॥ मार्ग शिरे शुक्ल पूर्णमी
द्वारे, श्री जलल वृत्य जुरो ॥
B) ॐ नमः श्री प्रत्यंगिरायै ॥ मण्डलस्थं सूरवासीनं भववन्तं महेश्वरं ।

CENTIMETERS

15

10

5

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

5

रघुसिना

0

5

10

15

20

15

ऊँ नमो स्वाहा ॥ वावा ॥ ऊँ मधुमाया वोषत् ॥ दधूना ॥ ऊँ अनामिकाया ऊँ ॥ अंगु
 विवा ॥ ऊँ कनिष्ठायां वषत् ॥ वावा ॥ ऊँ अस्माय रुत् ॥ धनं कर्त्तव्यास ॥ ॥
 अंगं न्यास ॥ ऊँ दद्याय नमः ॥ नृगवस ॥ ऊँ गिर्वसे स्वाहा ॥ कपालस ॥ ऊँ
 गिखाये वोषत् ॥ मिखास ॥ ऊँ कवचाय ऊँ ॥ वाहावस ॥ ऊँ नृगयाय वष
 त् ॥ मिखास ॥ ऊँ अस्माय रुत् ॥ अमु ॥ धनं अंगं न्यास ॥ ॥ धनुर्लिया
 सनद अर्घ्याय पूजाय ॥ ऊँ दद्यादिषु र्गनयूजनं ॥ ॥ धनू मूद्राक

10

5

न ककुप मूदानता कपूय ॥ ॥ धमनं लंखनहाय ॥ ऊँ कृत्तिकाये विमरुः
 कूलदीपाये धीमहि ॥ गन्तः कृत्तियवा दयात् ॥ धमनं सकवताठ अर्घ्याय यानं
 वनहाय ॥ अतः सिन्दूर स्नाननकृत्तय नय ॥ धन अर्घ्याय पूजाविधि ॥ ॥
 धनमूलमकुन ध्यानयाय ॥ नैऋतीं ऊँ
 र्गवानन्द विद्यानाथ ध्वनी सहस्रम लववयदुं ऊँ
 यामि ॥ धमूलमकुन स्नाननकृत्तय ॥ ॥ धनवलि विधि ॥ ऊँ गणाय नमः वलि
 गृहाय स्वा ॥ ॥ ऊँ वद्रकाय वलि गृहाय स्वाहा ॥ ॥ ऊँ कृत्तयालाय व

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

15

लिंगरुद्रनाथसाहा ॥ ॥ कौंयागिनीखावल्लिंगरुद्रनाथसाहा ॥ ॥ कौंरुद्र
 यादिन. मर्त्तगनविद्यवलि ॥ ॥ थनमालिनीयत्रयावश्रुवाहनयाय ॥
 ॥ ॥ थन. वन. सिन्दूर. स्नानगरुना ॥ ॥ मूलमन्त्रनययश्रुलिङ्गय. ॥
 थनसमयवल्लिविद्य ॥ ॥ कौंसर्वथा. भयधी. भनि. दानायद्वानमवय. ॥ कृणाय
 कृणसंदाह

10

प्रत्यंगि
 रापुजा
 यंत्रथा ॥



ॐ ह्रीं हुं अंगुष्ठाभ्यामित्यादि ॥

ॐ शंभश्चात्ताजिह्वेकरालदंष्ट्रे
 प्रत्यंगिरेक्ष्यं ह्रीं हुं फट् स्वाहा ॥

5

ॐ नमः श्रीप्रथमिनाथ ॥ ॥ मलुलेस्सुस्वासीनैरुगवर्नमहश्चनी. पुलम्य
 दवीचनलोपार्धनीयत्रिपृक्तुनि ॥ श्रीदयूवाच ॥ धनलीपनमाविद्या. प्र
 थमिनामहारुमा ॥ नननातीदिनार्थाय वालानीनदुल्लयच ॥ नारु
 मलुलकानीच. अग्निगुरुत्थयूच ॥ नाकुर्त्तु. नसर्वेषु विद्युदग्निरु
 ययूच ॥ वायुसिंहकनीदंष्ट्रीनदीनदसमूदके ॥ अतिचानसर्वेषु
 पूङ्गवाजुत्थयूच. सोरावधउननीनित्यं. नृत्तवधकनीतथा ॥ नीविश
 पनमभनकथयस्वमयिपुला ॥ ॥ श्रीरुद्रवउवाच ॥ साधूसाधू म

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

15

हृत्पुङ्गवः जंरुनी हित कात्रिली ॥ त्वद्वचना सुनात्रिघ्नं कथयामिन सँभय ॥
 दवी प्रत्यं गिना विद्या सर्वदूःखविनाशिनी ॥ मर्दनी सर्वदूषा नी सर्व
 यापविमाचनी ॥ म्नी वालयुतनी ना ॥ जंरुनी हित कात्रिली ॥ सीता ग्य
 जननी दवी वलंयुष्टिकनी तथा चतुःपथेषु (गह्वेषु वनं वृषव न
 वृच ॥ ग्म ग्म न इर्न म धात्रं संग्रम ग्म नु संलैव ॥ यठिता याठिता दवी स
 र्वसिद्धि करी स्मृता ॥ यस्यात्मस्का सदा विद्या प्रत्यं ग्म गिव लाषिता ॥ सि
 द्धासु सिद्धानि त्यादि विद्ययं पनमा स्मृता ॥ श्रीमता धान नृथं ल लाषि

10

॥ ग्म ग्म न इर्न म धात्रं संग्रम ग्म नु संलैव ॥

5

ता धान नृथं ली ॥ प्रत्यं गिना सदा प्राक्ता पुनि ह न्या न सँभय ॥ हनिचन्द
 न मिथ्यं ल प्राचना वृक्ष मनवा ॥ लिखित्वा उज्जयं प्र पू धानितवा सदा
 नृथे ॥ पूषा धूपे विविगेषु वल्येषु हानयू उने ॥ यूजयित्वा यथाः
 न्यायं ग्म नै कं रं न वृथं ॥ धात्रय द्यः ॥ माम्म कु निश्रुतं त्रिपू
 ना ग कं ॥ विलयं या कि त्रिपवः प्रत्यं द्विना नाम धान ल त ॥ यं यं स्पुः
 गति हस्तं न यं यं खा दति उि कया ॥ अमृते त ह वं ल स्ये मृथं ना सि
 कदाचन ॥ विधि पूनश्च मया दग्ध मिमी विद्या च विज्ञता ॥ निजिता

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

15

असूनाः सर्व दवेर्विद्यातिमानि हिः ॥ गलकं संप्रवक्ष्यामि तं यथा लि
 निधाय यत् ॥ कार्त्तमदनकं चैव कंकर्मत्राचनं तथा ॥ आयूकं वि
 षानिष्टं सिद्धार्थं मालती तथा ॥ उर्वद्विगुलितं तदं गलगर्भं विधा
 ययत् ॥ सर्वतं धनयन्मन्त्री साधकामनु वित्तदा ॥ अधूना संप्रवक्ष्या
 मि प्रत्येगिनासूरापिता ॥ दिव्येर्मनु यदेष्टु श्रेः सखाया येः सख
 पुदेः ॥ य ० दक्षा विधाने शु. मनुना ऊपुकीर्तितः ॥ ॥ अथागामं गुण
 दानिरवन्ति ॥ ॥ ॐ नमः सहस्रसूक्ष्मं कनाय अनन्त नृपाय पुन
 र्क

10

5

दूताय महासखाय व्यापिन महाम्भनाय उगङ्गान्तिकात्रि (नमः) का
 य सर्वव्यापिन महाधनाति धाना ॐ ॐ ॐ महाप्रणवं दर्शय २
 हिलि २ ॐ ॐ विष्णु उरु काल २ प्रहल २ मथ २ यय २ पुध्वं सय २
 ग्रह २ यिव २ विनागय २ गगय २ विदात्रय २ नरु २ धनकं सयनिवान
 कं नरु २ सर्वोपद्रवणयः सदागिब महामधोघा संप्रवर्कं विष्णु
 दन्त कपदी दिव्यकनका रानूह विकच माला धन मितिकलु व्या
 घ्राजिन ककूटि पत्रमेष पिय किन्द २ हिंद २ विडावय २ दवपि

सेवात
५

१३

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

15

अवा. सन. गंधर्व. किन्नर. विद्याधन. गज. गन्धर्व. यक्ष. नाक्ष. मान. लोक
 पालांश्च संतय २ यच साधकस्य ग. कुर्वन्ना. नि. कृ. न. य. २ य. सदा. मा. अ.
 वि. शो. कर्म. कर्त्तुं. कि. तेषां. अ. वि. शो. सु. सु. य. २ की. ल. य. २ घा. न. य. २ वि. श्व.
 मूर्त्ति. महा. त. ज. स. उं. यः. ग. कु. लो. वि. शो. सं. त. य. २ उं. यः. ग. कु. लो. मू. ख. सं.
 त. य. २ यः. ग. कु. लो. ह. सो. सु. सु. य. २ यः. ग. कु. लो. पा. दो. सु. सु. य. २ उं. यः. ग. कु.
 लो. गु. द. सु. सु. य. २ वृ. द्ध. सु. सु. य. २ स्ना. न. की. ल. य. २ म. लु. ल. की. ल. य. २ द.
 ग. की. ल. य. २ सर्व. सि. धि. महा. रा. ग. धन. क. स्या. म. नि. वा. न. स्या. आ. नि. कृ. न. २ न.

10

5

ॐ हूं हूं रुद्र स्वाहा ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ नै नै नै नै नै हूं हूं हूं हूं
रुद्र स्वाहा ॥ पुन्यं मिनाक्षानकस्य स पतिवानस्य नदीवूनू २ ॐ ऊः
ऊः ॐ ०८०८ ॐ हूं हूं रुद्र स्वाहा ॥ ॥ ॐ नभारगवतिहंसवायु इ
लशिखीलवडाङ्कुममकिधनिनीनृधिनमीसरदली कपालख=
द्गीगवनदासिधानिक दहरहन रूधमर सर्वदृष्टान्तुस २ ॐ हूं हूं
दद्याकनाली मममनु यनु चूर्ण विषमम्बाग्निचान सर्वाप
दवादिक थनवृत्त कात्रित वूनू ग कविश्रिति गोसर्वान्नहन २

15

प्रथमि नन्द स्वधनकी सपनिवानकी नन्द २ ॐ स्तु २ ॐ दू दू रु
 द स्वाहा ॥ ॐ नै को श्री व क्षाय ली मम मिना नन्द २ स्वाहा ॥ ॐ नै को श्री
 न ॐ माह भवनी मम मन्तु नन्द २ स्वाहा ॥ ॐ नै को श्री को मा नी मम वकु नन्द २
 स्वाहा ॥ ॐ नै को श्री वेष्ठी मम के लुं नन्द २ स्वाहा ॥ ॐ नै को श्री वा ना
 ही मम हृदय नन्द २ स्वाहा ॥ ॐ नै को श्री वृन्दा ली मम ना र्ति नन्द २ स्वा
 हा ॥ ॐ नै को श्री चामू लु मम गु र्द नन्द २ स्वाहा ॥ ॐ नै को श्री च लु के
 मम पा दो नन्द २ स्वाहा ॥ ॐ नै को श्री सर्वत्र महा लक्ष्मी मम रक्ष २ स्वाहा ॥

10

5

ॐ नै को श्री स्तु दू दू प्रथमि नन्द मम सर्व भवनी नन्द २ स्वाहा ॥ ॥
 रु रु नी मा हू नी वे व क्षा रु नी डा व नी तथा ॥ ह रु नी श म नी
 नो डी तथा सी हा नि ली नि च ॥ भ क य ॥ व म था ग न भ क य द नि
 था उ य ॥ धा नि गा सा ध के लुं ल सर्व भ क वि ना मि का ॥ ॥ रु रु
 नी स्तु २ ग रु र्द र य २ मा ह नी स्तु २ ग रु मा ह य २ क्षा रु नी स्तु २
 ग रु र्द र य २ डा व नी स्तु २ ग रु र्द डा व य २ ह रु नी स्तु २
 स्तु २ ग रु र्द र य २ श म नी स्तु २ ग रु र्द श म य २ नो डी स्तु २

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

15

10

5

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

अभिचारयंत्र
हरसिद्धिदेवपरिषादि
प्रत्यंगिराहृदय
हरसिद्धिपूजा
प्रत्यंगिराहृदय
प्रत्यंगिराहृदय
उमाभक्त
एकीसुक्त
मिमसेनयंत्र
आदित्यव्रतअमर

॥: ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ

परिषादि

य

जायं च

कुसुमोद्धार

त्रे

अपुर

ॐ नमो भगवते
श्री गणेशाय नमः

15

10

5

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

ॐ श्रीग्रीशीमायानमस्कार

दान
प ३५६
प ३७८
प ३४



श्रीमक्षेत्रा

प ३४
प ३७८
प ३५६

दान

३६

ॐ नमः श्रीसूर्याय ॥ आदित्यवाचवतविधिलिख्य ॥ तणाद्योपुष्प
पद्म उरुवाय ॥ आदित्यदिनवतारैर्लक्ष्य ॥ पात ४ काले स्त
नो ध्येत सितान्वयविधाय नित्य कर्म कृत्वा पुंश्च गमय य लि
फ कर्मो योगवृत्तानां ययर् वि लिख्य तद्वय वि कलर्ग स्थाप्य
तद्वय वि तासुता न व क य न न न अष्टय ए य द्वा कृत्वा वा त
इय वि श्रीसूर्याय तिसां वा स्थाप्य पूजय ॥ तणाद्यो प वा मृता

५२

पद्यि२

दिनां च नन्दनसिद्धयस्तथा यथा वृथादिनिर्वाहकालादव
तां पूजयेत् ॥ ॥ धर्मपुत्रास्तथा ॥ वृत्तिः ॥ अत्र ॥ वन्दनपूथादिनि
१५ ॥ स्वर्गिनसिद्धयस्तथा ॥ अत्रादि ॥ वन्दनपूथाजलं गृहीत्वा ॥ यज
मानानां यथा ॥ गुरुकुरुलयाप्यर्थ आदि त्वत्तकर्मकर्तुं श्री
सूर्यायार्धनमः ॥ मोहान्धकारं ॥ राक्षसायार्ध ॥ ॥ पू
१० ॥ यजमानं कुरुलयाप्यर्थ आदि त्वत्तकर्मकर्तुं श्री
नीयथा ॥ गुरुकुरुलयाप्यर्थ आदि त्वत्तकर्मकर्तुं श्री

नीत्या ४

राजर्षे नमस्तुनामि ॥ ॥ तत्तावाक्कालं गृहीत्वा ॥ अत्रादि ॥ सूर्या
यार्ध ॥ ॥ गुरुसमन्त ॥ अखं उर्मं उलाकारं ॥ ॥ न्यास ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ
५ ॥ कुरु ॥ गुरुधर्म ॥ ॐ आदि त्वत्तकर्मकर्तुं श्री
तुर्जनी ॥ ॐ पूथाय मधुमाया ॥ ॐ राक्षसायार्ध ॥ ॐ तयनाय
ॐ यमराज फनिष्टाया ॥ ॐ आदि त्वत्तकर्मकर्तुं श्री
ॐ न्यास ॥ ॥ ॐ सूर्याय ॥ ललाट ॥ ॐ सूर्याय ॥ निखा ॥ ॐ
सूर्याय ॥ मुख ॥ ॥ ॐ कर्नागवत्तयार्ध ॥ ॥ अर्ध

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

15

पाण्डूजा ॥ षष्ठं गन ॥ ॥ ॐ कौं हृदयाय २ ॥ ॐ ह्यादि षष्ठं गन वि
 पूजयन् ॥ आवाहनादि ॥ गङ्गा लना तर्प सर्ववस्तु च सिंचनं ॥ निलक
 विधाय यथावत् ॥ ॥ गतः पूजनं ॥ ॐ चन्द्रो सनाय २ ॥ ॐ कायधरम्
 गायत्र्युक्तं गाय २ ॥ ॐ अं आदित्याय अगच्छ २ नमानमः ॥ ॥ ग
 मा द्वात्रिंशत् ॥ ॐ गन्वायामीति सर्वे यः १० ग ॥ ॥ गता विना षष्ठं दार्च
 नं ॥ ॐ मिताय २ ॥ ॐ गन्मिगस्यासि कौं सूर्यायैव कृत्वा यो नृपसु ।
 अननमन्यद् सुदस्य पाजः ॥ ॐ मन्त्रं चित्रितं ८ संस्तुति ॥ १ ॥ ॐ वि

च

10

5

पूवः २ ॥ ॐ गीति यदा ॥ २ ॥ ॐ वन्द्याय २ ॥ ॐ ॐ ममा ॥ ॐ सूर्याय २ ॥ ॐ
 सूर्यस्य वरुणा वा हा ॥ ॐ वरुणः कनीनकः । यत्तत् सति त्रीयसः अजमा
 नो विद्योऽस्मिन् ॥ ४ ॥ ॐ गानवः २ ॥ ॐ पूषे नववृत्तं वयं त्रिष्टुप् सक
 दावतः । कृताव सु ॐ रुमसि ॥ ५ ॥ ॐ गयनाय २ ॥ ॐ यानः ४ यिना ध
 मा जनिताः विधाता धीमानि वदन्तु वना निविष्टा ॥ आदवा नान्नाम
 धीपुत्रा वः १० संस्तुति वना ह्यया ॥ ६ ॥ ॐ विदवः २ ॥ ॐ ॐ रुमसि व
 नान्नयसजातानामसद्वर्गा । संस्तुति वरुणा सुजयवान् रिगदा अ

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

15

5

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुखं ॥ ॐ दधि का प्र ॥ मूर्धा दि ॥ ॐ विष्णु प्र ॥ ३

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

15

दादि ॥ ॐ अर्जुमासा ॥ ॐ अर्जुप्रयकति ॥ ॐ हनुमन्मयकति ॥ ॐ नक्षत्रस्यारहा
 ॥ ॐ आगयोग ॥ ॐ अर्जुम ॥ ॐ सर्वस्वमसि ॥ ॐ अर्जुनाजाय ॥ ॐ वक्रयज्ञाने ॥
 ॐ ॐ देविष्ट ॥ ॐ नमः गीरवायव ॥ ॐ स्वस्तिने ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ सकन ॥ ॐ समित ॥
 सकल्यथा ॥ ॐ सविथावाविष्ट ॥ ॐ समनस्यमानो ॥ ॐ वमूर्जमसि सन्वसानी ॥ ॐ स
 वीमना ॥ ॐ सिम्वतासम्वित्ताया करी ॥ अर्जुपूनीष्टा ॥ ॐ धिया रुवत्तन ॥ ॐ वमूर्ज
 ॐ नमः सर्वस्वमसि ॥ ॐ यजमानाय धि ॥ ॥ सिधमूर्ज ॥ ॐ यीष्टा ॥ ॐ धिया ॥ ॐ धनसि ॥
 दीय ॥ ॐ गजासि ॥ ॐ आरुलनी ॥ ॐ अर्जुप्रय ॥ ॐ धिया ॥ ॐ मना कति ॥ ॐ स
 तिष्टावनदा रुवत्त ॥ ॥ नक्षत्रसकल्य कर्मा ॥ ॐ कर्मा कर्मा कर्मा ॥ ॐ अ

10

5

दादि ॥ ॐ अर्जुम सकल याय कयत्त सदा सुखयार्हि ह जन्म जन्मा कर्वा नी
 वा गेत्त स्वर्गलोकाय ॥ ॐ नैक दिष्टा वर्षस रुमा वेत्ति नला रुत दूत
 वसुधै लोके कनिवास कामः श्रीसूर्ययूजामर्क विष्टा ॥ ॐ कय
 ध्यामर्न ॥ ॐ कयय्या ध्या ॥ ॐ कयय्या गिन सिद्धय ॥ ॐ वत काया ॥
 लाहा तिमवय ॥ ॐ सूर्याय ह दयाय ॥ ॐ ह्या दिष्टा ॥ ॐ अर्घ्या
 रुवत्त जायानक ॥ ॐ वक्रयज्ञाने ॥ ॐ वक्रयज्ञाने ॥ ॐ वक्रयज्ञाने ॥ ॐ वक्रयज्ञाने ॥
 आवाहनादि ॥ ॐ गीरवायव ॥ ॐ धिया ॥ ॐ धनमूर्ज ॥ ॐ धनमूर्ज ॥ ॐ धनमूर्ज

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

15

नवतिनः सिचयन् ॥ ॐ उरु न निखन जाता रुम्यां पद्मेन वासिनी । खड्ग
 रुसमरुतः गोय निवसि धार्या ॥ चन्दन रुषवी पृथ्वी निवसि रुषवी ॥
 ॥ गता दान प्रजा ॥ ॐ दलित नमः ॥ ॐ धिगलाय २ ॥ ॐ नदिन २ ॥ ॐ महाका
 लाय २ ॥ ॐ गलाय २ ॥ ॐ गुनरु २ ॥ ॐ ध्यानिनी २ ॥ ॐ कृपा लाय २
 ॥ ॐ आधाराय २ ॥ ॐ अनका सनाय २ ॥ ॐ कदाय २ ॥ ॐ अकदाय २ ॥ ॐ
 नालाय २ ॥ ॐ यदाय २ ॥ ॐ यगाय २ ॥ ॐ कगाय २ ॥ ॐ कर्तुकाय २ ॥ ॐ
 जयाय २ ॥ ॐ विजयाय २ ॥ ॐ अजिताय २ ॥ ॐ अयनाजिताय २ ॥ ॐ जी

10

5

ये २ ॥ ॐ रुक्मये २ ॥ ॐ माहिने २ ॥ ॐ अकवने २ ॥ ॐ धर्माय २ ॥
 कानाय २ ॥ ॐ वेनाय २ ॥ ॐ नेत्र्याय २ ॥ ॐ अधर्माय २ ॥ ॐ अ
 कानाय २ ॥ ॐ अवेनाय २ ॥ ॐ अनेत्र्याय २ ॥ ॥ ॐ सफुर्न
 गसनाय २ ॥ ॐ अनूय २ ॥ ॐ माधनाय २ ॥ ॐ धिगलाय २ ॥ ॐ
 दलुय २ ॥ ॐ यदा सनाय २ ॥ ॥ आवाहनादि ॥ ॥ ध्यानी ॥ नकारं
 दना कतपूषा धृत्वा ॥ ॐ सकसकिव धातु मन्त्रास्तु न्वसैस्ति
 ॥ अवादातिमवधूक यद्वागसमश्रुति ॥ नकास्य यद्वागसं दि
 श्वावाहने ॥ यथा कतन ॥ तिथिन कर मो कुरु नागिथाग प्रहा चित ॥ सग कि

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

15

वक्रवन्दनरुषिर्नी ॥ वक्रयज्ञकनाम्ना ज्ञात्वा या फदिगकर्त्री सद्यो ली
कावर्षयकी सानन्दं सद्य विवात्रकी ॥ सगर्ग सा सानं सीगी सगर्ग वस
मधुर्ल ॥ उर्वेष्टात्वा तु मूलन वक्रयज्ञा जलिनय ॥ यवस्य गिर सि
किष्ठा यत्रिवात्राने समञ्जयत ॥ ध्यानपथ्य २ ॥ ॥ उर्वेष्टात्वा ॥ ॥ न
४ या ३ ॥ यस्यादस्य गीतात्स ४ ॥ पूती तीर्थकदम्बकी ॥ गृहा लोदं मया दत्तं
पादं त्वं दिवसं च ॥ रुगवतः श्रीसूर्याय या ३ ॥ २ ॥ स्नानं ॥ सुगंधं गी
तलं तु ३ ॥ पावनं तीर्थं सर्वं ॥ स्नानं पृथक् गीतात्स गलिले पृथक्
थन रुसार्धमाल ॥ २ ॥

10

5

३ ॥ रुगवतः श्रीसूर्याय स्नानं २ ॥ ॥ रुसार्धं ॥ ३ ॥ कलाय कनाम्ना ज य
ज्ञासनत्रतपुता ॥ गृहा लोदं मया दत्तं रुसार्धं न दिवा कव ॥ रुगवतः
श्रीसूर्याय रुसार्धं २ ॥ ॥ धनलि स्नाने माल ॥ ॥ वसु ॥ यथा लारु मिदं
वसुं रुसार्धं दत्तं विना वसा ॥ यती कुव वसु ॥ ॥ गीतं मी सदा कू ॥
रुगवतः श्रीसूर्याय वसुं २ ॥ ॥ चन्दन ॥ श्रीरघुचन्द्रस्यै कं गन्धं मम
नादत्तं ॥ विलयने सन ॥ प्रष्टु श्रीरघुचन्द्रस्यै कं ॥ रुगवतः श्रीसूर्याय
सुगंधं वसुं २ ॥ ॥ यज्ञाय वीत ॥ ३ ॥ यज्ञाय वीत मारुतां मूनिभिर्न

0

5

10

15

20

15

वदेवती ॥ कामजमथकार्यासं च विनियति गच्छती ॥ रुगवतः प्रीत्युया ययङ्गा
 पवीतकी ॥ ॥ ह्यकस्वान ॥ ॐ काला विनीयथ यथै वक्रपुष्प समन्विता ॥ वि
 विगृह्णन्ति मालां गृहाय नमः श्रुत ॥ रुगवतः प्रीत्युया यमाला यथै ॥
 ॥ ॥ तनः यथै जेलिग यनपूजयत् ॥ मूल ॥ रुगवतः प्रीत्युया यगुंज
 लिपुष्प ॥ ३ ॥ ॥ तनः यजने ॥ प्रीत्युया य ॥ ॐ आदिह्या य ॥ ॐ श्री
 य ॥ ॐ अगुय ॥ ॐ राक्षसाय ॥ ॐ नवय ॥ ॐ गरुडय ॥ ॐ शानव ॥
 ॐ सविग ॥ ॐ दिवाकनाय ॥ ॐ धर्मागव ॥ ॐ धनदस्मताय ॥ ॐ य

10

5

नाकनाय ॥ ॐ वधूय ॥ ॐ नृपु ॥ ॐ मार्तुमय ॥ ॐ जेला ह्याधियतय
 ॥ ॐ सृष्टिस्तिनिसेहानक ॥ ॐ अयम ॥ ॐ द्वादशमन ॥ ॐ अह
 स्तनाय ॥ ॐ पलाकनाय ॥ ॐ विराकनाय ॥ ॐ राक्षस ॥ ॐ विवस्व
 त ॥ ॐ हविदम्नाय ॥ ॐ वेकलिनाय ॥ ॐ अकीय ॥ ॐ अनलमय ॥
 ॥ ॐ पूष ॥ ॐ अमलय ॥ ॐ तनलय ॥ ॐ मिगाय ॥ ॐ विगुशानव
 ॥ ॐ विलावनाय ॥ ॐ विरावसव ॥ ॐ गृहयतय ॥ ॐ लिषीयत
 य ॥ ॐ अहयतय ॥ ॐ हसाय ॥ ॐ सहस्रीगव ॥ ॐ तयनाय ॥

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

॥ महागज सं ॥ ॐ मलिकुलपुत्राय ॥ ॐ कर्मसाक्षिणे ॥ ॐ समी
 यासिते ॥ ॐ कवचकुन्दसे ॥ ॐ विग्रहाय ॥ ॐ सुयोग्यादि
 त्थमूर्तये ॥ ॐ आदित्याय ॥ ॐ सामाये ॥ ॐ अंगनाय ॥ ॐ
 वृक्षाय ॥ ॐ वृहस्पतये ॥ ॐ मुक्त्याय ॥ ॐ गनेश्वराय ॥ ॐ वा
 रुदे ॥ ॐ कर्तवे ॥ ॐ ॐ न्द्राय ॥ ॐ अग्नये ॥ ॐ यमाय ॥ ॐ नैर्
 तये ॥ ॐ वरुणाय ॥ ॐ वायवे ॥ ॐ कवचाय ॥ ॐ वीर्यनाय ॥ ॐ
 अधसे ॥ ॐ उड्यये ॥ ॥ हृदयादि ॥ ॥ आवाहनादि ॥ ॥ नमो

मृत्युञ्जयकलमर्चने ॥ ॐ सर्वार्थकलमय मृत्युञ्जयाय अमृत
 चोदनाय ॥ ॐ सदासने ॥ ॐ पूर्य ॥ ॐ गंगाय ॥ ॐ यमुनाय ॥
 ॥ गङ्गाय ॥ ॐ सत्रस्थये ॥ ॐ नर्मदाय ॥ ॐ सिन्धवे ॥ ॐ कावेर्ये
 ॥ ॐ वाग्मये ॥ ॐ गङ्गाय ॥ ॐ कोनिके ॥ ॐ संकसमूह्या ॥ ॐ
 वक्रा ॥ ॐ विष्णवे ॥ ॐ नृपाय ॥ ॐ वीर्याय ॥ ॐ सदानिवाय ॥ ॐ सफरि
 त्या ॥ ॐ आवाहनादि ॥ ॥ वन ॥ ॐ दीपान्नसमूह्यने ॥ ॐ दवाती ॥ ॐ वरम
 प्रिय ॥ ॐ राजाने ॥ ॐ सर्वदेवता ॥ ॐ चन्दन ॥ ॐ निगृह्यता ॥ ॐ नमो ॥ ॐ य

॥ यदीति दं वं ग वं मूडा सवृय कं ॥ शिस्तुं यत्र मंस्तुं गृहा न यत्र मंस्तुं
॥ गायुस्त्रान ॥ माल्या दीनियुष्याति माल्याति विविधनिच ॥ मया कृतानि यु
१५ जायः माला पृथै पतिगृह्णी ॥ ॥ हृदयादि ॥ ॥ आवाहनादि ॥ ॥ त
गावलियुजा ॥ आग्रय ॥ ॐ वृष्ठा नक्षत्रया ला य २ ॥ ॐ नर सिं ह म हा
रु न वा य २ ॥ ॐ कला रु क म हा रु न वा य २ ॥ ॐ नया ल व क ला य २
॥ ॐ पया ग म हा रु न वा य २ ॥ ॐ लं का यी वा क सी द थै २ ॥ ॐ अ सिः
ता ग म दि म हा रु न वा य २ ॥ ॐ व क ला य दि अ रु मा रु का र्था २ ॥ ॐ म
१० वृथ ४ रु न या ल र्था २ ॥ ॐ ग हा कृ ज ज म का हा कृ स्त्रान ॥ हृदया

दि ॥ आवाहनादि ॥ ॥ ग ल य ति यु जा ॥ द कि र्ता ॥ ग ल य त थ २ ॥ ॐ व
रु ल वा य २ लं धा द वा य वि धु रा जा य उ क दं ता य २ वि धु रा य
रु न सू ता य ग ल य ति मू र्ति थ २ ॥ ॥ वृत्ता य ज ज म स्त्रान ॥ हृद
५ या दि ॥ ॥ ग म ग्र म यु जा ॥ ने मृ थ ॥ ॐ न न्दा य २ ॥ रु द्रा थै म म न
२ ॥ सु गी ला यै सु न र्थै ॥ ॐ क पि ला दि र्थै व ग म मा रु का र्था २ ॥ ॐ
ग ल य ज ज म स्त्रान ॥ हृदयादि ३ ॥ ॥ को मा मा नी वा यु जा उ रु
न स ॥ ॐ को मा र्थै २ ॥ ॐ वा ल को मा र्थै २ ॥ ॐ र क ला व ना थै २ ॥

15

ॐ मयूनासनाये२ ॥ ॐ न किंरुक्ताये२ ॥ ॐ वक्राश्रुदिअष्टमाष्टकाः
 स्था२ ॥ ॐ इतीये२ ॥ ॐ यवानकथ२ ॥ ॐ रक्तवर्णये२ ॥ ॐ कोमावीः
 मूर्तिये२ ॥ ॥ वृत्तकादुज्जमस्वान ॥ हृदयादि॥ ॥ सगुणाय
 जा ॥ ॐ नमः ॥ ॐ अश्वत्थाम२ ॥ ॐ बलये२ ॥ ॐ शासाय२ ॥ ॐ हनू
 म२ ॥ ॐ विहीषसाय२ ॥ ॐ कृपाय२ ॥ ॐ यत्रगुनामाय२ ॥ ॐ मार्क
 ॥ ॐ यय२ ॥ ॐ ॥ ॐ वृत्तकादुज्जमकास्वान ॥ हृदयादि ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ नमोवहिर्हीनीगदि ॥ ॐ वृत्तकादुज्जमकास्वान ॥ ॐ सुय्याय२ ॥ ॐ

10

5

नावायसाय२ ॥ ॐ सुदानिवाय२ ॥ ॐ नलापतथ२ ॥ ॐ कृपायालाय२ ॥
 ॐ वायूपाय२ ॥ ॐ नागराजाय२ ॥ ॐ ॐ सुदवताया२ ॥ ॐ कृपायालाय२ ॥
 नाया२ ॥ ॐ कृपायालाय२ ॥ ॐ कृपायालाय२ ॥ ॐ वृत्तकादुज्जमकास्वान ॥
 २ ॥ ॐ सुदवताया२ ॥ ॐ सुदवताया२ ॥ ॥ ॐ वृत्तकादुज्जमकास्वान
 न ॥ हृदयादि ॥ ॥ ॐ वृत्तकादुज्जमकास्वान ॥ ॥ नमोवहिर्हीनीगदि ॥ ॥ नमोवहिर्हीनीगदि ॥
 चतुःसमसूगधवत ॥ ॐ वन्दनादिसूगधवत ॥ कस्तूरीसुदवासिनी ॥ रुक्म
 पलचित्तवतवा ॥ ॐ वन्दनादिसूगधवत ॥ रुक्मचित्तवतवा ॥ ॐ वन्दनादिसूगधवत ॥ ॥
 मगध

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

४७

४८

15

10

5

0

5

10

15

20

CENTIMETERS